माइक्रोफाइनेंस महाराष्ट्र में वित्तीय समावेशन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है

माइक्रोफाइनेंस बिना किसी सिक्योरिटी के लोन मुहैय्या करा ना सिर्फ उन लोगों की मदद कर रहा है जो कि आर्थिक रूप से पिछड़े हुए बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। माइक्रोफाइनेंस संस्थानों का संचालन देश के 35 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 611 जिलों मे ंकिया जा रहा है। इसके जरिए यह प्रयास किया जाता है कि माइक्रो लोन के जरिए ग्रामिण भारत तक लोन की सुविधा पहुंचाई जा सके। यह कहना है माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क में स्टेट इनिशिएटिव्स के नेशनल हेड, अचला सव्यसाची का। उन्होंने बताया कि माइक्रोफाइनेंस की ग्राहक कम आय वाले घरों की महिलाएं हैं। इन छोटे, आसानी से मिलने वाले लोन से 6 करोड़ महिलाओं को लाभ हुआ है, जिससे 300 मिलियन परिवार प्रभावित हुए हैं। इस लोन के साथ, ग्रामीण महिलाएं आय के साधन तैयार करने और अपने घर का बेहतर प्रबंधन करने में सक्षम हैं। माइक्रोलोन ने ग्राहकों को लघु व्यवसाय उद्यम संचालित करने में मदद की है; महिलाएं ऋण का उपयोग सिलाई मशीन खरीदने, ब्यूटी पार्लर खोलने, उत्पाद बनाने और बाजार में बेचने, दुकानें खोलने या पशुपालन करने के लिए करती हैं।

ग्रामिण उद्यमियों को जन्म दे रहा

उन्होंने बताया कि माइक्रोफाइनेंस संस्थान आरबीआई-विनियमित संस्थाएं हैं जिनमें गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां शामिल हैं जैसे माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस (एनबीएफसी-एमएफआई), बैंक, लघु वित्त बैंक, एनबीएफसी, बैंकिंग संवाददाता, कई अन्य। ऋण के माध्यम से आय सृजन में मदद करने के अलावा माइक्रोफाइनेंस के कई लाभ हैं। यह कई ग्रामीण महिला उद्यमियों को जन्म दे रहा है जो साहूकारों से पैसे उधार लिए बिना आत्म-सम्मान और आत्मविश्वास के साथ रह सकती हैं। महाराष्ट्र में ग्राहकों ने हमेशा ऋणों के पुनर्भुगतान के प्रति प्रतिबद्धता दिखाई है क्योंकि वे एक अच्छे क्रेडिट इतिहास के महत्व को समझते हैं। मजबूत क्रेडिट स्कोर होने के महत्व को समझने के लिए लोन लेने वाले ग्राहकों को विशेष रूप से शिक्षित किया जा रहा है। लोन लेने वाला व्यक्ति किसी भी जानकारी को प्राप्त करने के लिए एमएफआईएन के समर्पित ग्राहक टोल फ्री नंबर, 1800 102 1080 का उपयोग करते हैं

आर्थिक रूप से बना रहे साक्षर

माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क में स्टेट इनिशिएटिव्स के नेशनल हेड, अचला सव्यसाची का कहना है कि कि माइक्रोफाइनेंस संस्थान हमेशा मुश्किल समय में अपने ग्राहकों के साथ खड़े रही हैं। महामारी के दौरान, महिलाओं को अपनी आजीविका फिर से शुरू करने में मदद करने के लिए सहायता प्रदान की गई। ऋण सहायता के अलावा, महिलाओं को आर्थिक रूप से साक्षर बनाने का भी काम किया गया। महाराष्ट्र में, माइक्रोफाइनेंस संस्थान कम आय वाले परिवारों की 47 लाख महिलाओं को बिना किसी सिक्योरिटी के माइक्रो लोन प्रदान कर रहे हैं।

घर के दरवाजे पर दे रहे मदद

स्वतंत्र माइक्रोफिन प्रा. लिमिटेड के विनीत छत्री ने कहा कि माइक्रोफाइनेंस ने ग्रामीण महिलाओं के दरवाजे तक उनके लिए वित्तिय मदद लाया है जिसने उन्हें वित्तीय रूप से सशक्त और स्वतंत्र बना दिया गया है। इससे उनके आत्मसम्मान, आत्मविश्वास में वृद्धि हुई है और साथ ही घर में उनकी स्थिति मजबूत हुई है। माइक्रोक्रेडिट की उपलब्धता एक ओर महिलाओं को अपने परिवार के लिए एक बेहतर कल का निमार्ण करने में मदद करती है और दूसरी ओर उन्हें बैंकिंग, क्रेडिट रिकॉर्ड के साथ-साथ कैशलेस पुनर्भुगतान के लिए नई तकनीकों के बारे में जानकारी और जागरूकता भी प्रदान करती है।

महाराष्ट्र में माइक्रोफाइनेंस की स्थिति

(30 जून 2021 के आंकड़ों के आधार पर - वित्त वर्ष 21-22 की पहली तिमाही)

माइक्रोफाइनेंस संस्थान सकल ऋण पोर्टफोलियो: रु 17,060 करोड़

माइक्रोफाइनेंस महाराष्ट्र के सभी 36 जिलों में पहुंच रहा है

ग्राहक: 47 लाख

माइक्रोफाइनेंस संस्थाओं की कुल संख्या: 94

माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क (एमएफआईएन) के बारे में

माइक्रोफाइनेंस इंस्टीट्यूशंस नेटवर्क (एमएफआईएन) की स्थापना 2009 में एनबीएफसी-एमएफआई के लिए एक उद्योग संघ के रूप में की गई थी।

एमएफआईएन 2014 में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा स्व-नियामक संगठन के रूप में मान्यता प्राप्त करने वाला पहला उद्योग संघ था।

एमएफआईएन राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों और जिलों में माइक्रोफाइनेंस प्रदाताओं, नियामकों, सरकार और अन्य प्रमुख हितधारकों के साथ मिलकर काम करता है।